पाठ-5

आप दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं परमेश्वर को इसकी चिन्ता है

परमेश्वर के बारे में यह सीखें :

परमेश्वर माता-पिता की सहायता करता है कि वे अपने बच्चों की चिन्ता करें। परमेश्वर जानता है कि आपके मन में दूसरों के प्रति क्या विचार हैं। परमेश्वर उनको दण्ड देता है जो दूसरों को गलत मार्ग पर ले जाते हैं वे ग़लत काम करवाते हैं।

परमेश्वर चाहता है कि आप दूसरों के साथ भलाई करें।

बाइबल में से यह पढ़ें इसे पाँच बार ज़ोर-ज़ोर से पढें :

"तब कैन न अपने भाई हाबिल से कुछ कहा,..... और उसे घात किया तब यहोवा ने कैन से पूछा, तेरा भाई हाबिल कहाँ है?" उत्पत्ति 4:8, 9.

क्या आप यह कर सकते हैं ?

सही उत्तर वाले शब्द पर गोला बना दें।

1. जो दूसरों के साथ बुरा करते हैं परमेश्वर उनके साथ क्या करेगा ? — क्षमा करेगा आशीष देगा दण्ड देगा
2. जब आप दूसरों पर क्रोधित होते हैं तो क्या परमेश्वर जानता है। — हाँ, नहीं कभी-कभी
3. किसने अपने भाई की हत्या की थी ? — आदम, हाबिल, कैन

उत्तर

1. दण्ड देगा 2. हाँ 3. कैन

एक भेंट चढ़ाना वह है जो लोग परमेश्वर के लिए देते हैं। बलिदान जीवित होता है। जो परमेश्वर के लिए भेंट स्वरूप चढ़ाया (बलि किया) जाता है।

आशीष देना किसी व्यक्ति के लिए (भलाई) करना है।

परमेश्वर माता-पिता की सहायता करता है कि वे अपने बच्चों का पालन-पोषण करें।

चिन्ह से आरम्भ व इसी चिन्ह से अन्त होने वाले शब्दों के नीचे रेखा खींच दें

आदम और हव्वा के बहुत से बच्चे हुए। उनका पहला पत्र कैन था। उनका दूसरा पुत्र हाबिल था। कैन और हाबिल उनके पहिले बच्चे हुए जो संसार में प्रथम भाई थे। अपने बच्चों के पालन-पोषण के लिए आदम और हव्वा को कठिन परिश्रम करना पडता था। परमेश्वर ने उनके काम में उनकी सहायता की।

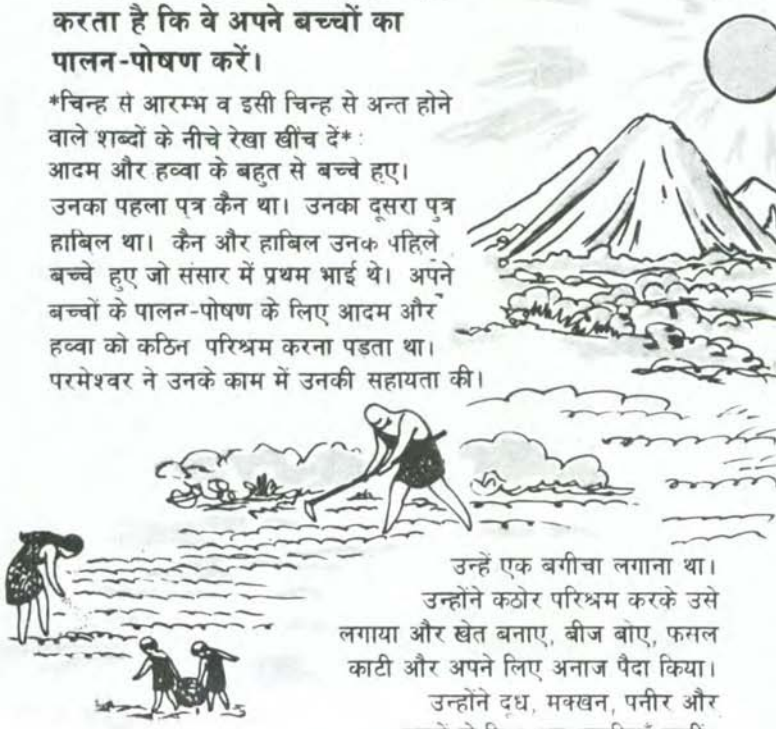

उन्हें एक बगीचा लगाना था। उन्होंने कठोर परिश्रम करके उसे लगाया और खेत बनाए, बीज बोए, फसल काटी और अपने लिए अनाज पैदा किया। उन्होंने दूध, मक्खन, पनीर और वस्त्रों के लिए भेड-बकरियाँ पालीं। उन्होंने अपने सब बच्चों को काम करना सिखाया। और उन्होंने उनको परमेश्वर के बारे में सिखाया।

आप दूसरों के बारे में क्या सोचते हैं यह परमेश्वर जानता है।

कैन ने जो अनाज पैदा किया था वह उसकी भेंट परमेश्वर के लिए ले आया। हाबिल ने भी परमेश्वर के लिए भेंट चढ़ाई उसने एक भेड़ का बच्चा (मेम्ना) दिया जो हाबिल के पापों के लिए मरे।

*परमेश्वर ने कैन और हाबिल दोनों से प्रेम किया। * परमेश्वर ने उनको अपने पास आने का मार्ग भी बताया। उनको अपने पाप के लिए बलिदान लाना था, ठीक जैसा कि हाबिल ने किया। परमेश्वर ने हाबिल को आशीष दी और उसके पापों को क्षमा किया।

कैन परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए तैयार न था। कैन तो अपने ढंग से सब कुछ करना चाहता था। वह हाबिल को आशीष दिये जाने के कारण परमेश्वर पर क्रोधित था। परमेश्वर जानता था कि कैन के मन में क्या है। *परमेश्वर जानता था कि यदि कैन इसी प्रकार क्रोधित रहा तो वह कुछ न कुछ बुरा काम अवश्य करेगा। * परमेश्वर ने कैन से बातें कीं और उससे पूछा, "तू क्यों क्रोधित है?" परन्तु कैन ने परमेश्वर की न सुनी। कैन ने अपने भाई हाबिल से घृणा की।

जो दूसरों का बुरा करते हैं परमेश्वर उनको दण्ड देता है।

एक दिन दूर खेतों में कैन ने अपने भाई की हत्या कर दी। यह एक भयानक पाप था। जो कुछ कैन ने किया था उसे परमेश्वर ने देखा था।

परमेश्वर को कैन को दण्ड देना आवश्यक था।
परमेश्वर ने कैन को उसके घरवालों के साथ रहने न दिया।
कैन और उसकी पत्नी भगोड़े बन गए और उन्हें अपने घर से जाना पड़ा कि अन्य देश में जाकर रहें।

परमेश्वर चाहता है कि आप दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करें।

परमेश्वर हमारे पापों को क्षमा करके हमें अच्छा बनाना चाहता है।
परमेश्वर हमारे अन्दर से बुरी भावनाओं को निकालना चाहता है और दूसरों से प्रेम करने के लिए हमारे अन्दर अपना प्रेम भरना चाहता है।
तब हम हमेशा प्रसन्न रहेंगे।
क्या कभी आप दूसरों पर क्रोधित हो जाते हैं?
क्या आप अपने अन्दर से क्रोध की भावना को निकालने के लिए परमेश्वर से कहते हैं ?
क्या आप दूसरों के साथ भलाई करने वाले बनना चाहते हैं?
नीचे दी गई प्रार्थना करें :

प्रार्थना

हे प्रभु, ऐसा होने दे कि मैं कैन के समान न बनूँ।
मुझे दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए उसे सीखने में मेरी सहायता कर।
मेरे क्रोधपूर्ण विचारों और कार्यों को क्षमा कर।
और मुझे प्रेम करने वाला, नम्र और अच्छा बनाएँ।